हस्तशिल्प पुरस्कारों के चयन हेतु दिशानिर्देश

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय उत्कृष्ट सिद्धहस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास एवं प्रगति में उनके योगदान को पहचान देने के लिए हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान करता है। ये पुरस्कार हस्तशिल्प कारीगरों के लिए उच्चतम पुरस्कार है। जीवन में एक बार प्रदान किए जाने वाले ये पुरस्कार, उन्हें शिल्पकारिता में श्रेष्ठता बनाए रखने और हमारी सदियों पुरानी शिल्प परंपरा को जीवित रखने हेतु प्रोत्साहित करते हैं। पुरस्कार निम्नलिखित दो श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं:-

1. शिल्प गुरु पुरस्कार : अधिकतम 10 पुरस्कार
2. राष्ट्रीय पुरस्कार: (डिजाइन नवीनता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार सहित): अधिकतम 33 पुरस्कार

शिल्प गुरु पुरस्कार: भारत में हस्तशिल्पों के पुनरुत्थान की स्वर्ण जयंती के अवसर पर वर्ष 2002 में शिल्प गुरु पुरस्कारों की शुरुआत हुई। यह पुरस्कार 10 सिद्धहस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प के संवर्धन हेतु शिल्पकार्य की एक असाधारण कृति बनाने तथा कारीगरों की अगली पीढ़ी को अपना कौशल प्रदान करने के लिए दिए जाते हैं। ये भारत में हस्तशिल्प क्षेत्र में उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त पुरस्कार है जो शिल्प श्रेणी या किसी अन्य मापदंड में भेदभाव के बिना प्रदान किए जाते हैं।

कोई सिद्धहस्तशिल्पी जो असाधारण ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता या राज्य पुरस्कार विजेता हो या हस्तशिल्प क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाला विशिष्ट कौशल धारक हो, इस पुरस्कार हेतु पात्र है। आवेदक का भारतीय नागरिक होने के साथ इस देश का निवासी होना अनिवार्य है, उनकी न्यूनतम आयु 50 वर्ष और क्षेत्र में 20 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। प्रत्येक पुरस्कार में, 2.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, एक जड़ा हुआ स्वर्ण सिक्का, एक शॉल, प्रमाणपत्र और ताम्रपत्र शामिल है।

राष्ट्रीय पुरस्कार : वर्ष 1965 में स्थापित राष्ट्रीय पुरस्कार 33 शिल्पियों को हस्तशिल्प के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। यह शिल्पी द्वारा शिल्पकार्य की एक उत्कृष्ट कृति बनाने के लिए दिए जाते हैं ताकि शिल्प को संवर्धन एवं प्रोत्साहन मिल सकें। भारत में रहने वाला कोई शिल्पी जो देश का नागरिक है, जिसकी न्यूनतम आयु 30 वर्ष और हस्तशिल्प के क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव हो, राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकता है। प्रत्येक पुरस्कार में 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, एक शॉल, एक प्रमाणपत्र और एक ताम्रपत्र शामिल है।

डिजाइन नवीनता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार की एक उप श्रेणी है जिसे सह-सृजन के आधार पर डिजाइनरों और कारीगरों के एक समूह को प्रदान किया जाता है। भारतीय सूचीबद्ध डिजाइनरों और पंजीकृत शिल्पियों का एक समूह, जिनकी न्यूनतम आयु 30 वर्ष हो, प्रविष्टि प्रस्तुत करने के पात्र है। डिजाइन नवीनता पुरस्कार में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के लिए क्रमश: 5.00 लाख रुपए, 4.00 लाख रुपए और 3.00 लाख रुपए है जो संबंधित डिजाइनर और कारीगर के मध्य समान रूप से बांटा जाएगा।

33 राष्ट्रीय पुरस्कारों में से, 20 पुरस्कार कारीगरों को 19 शिल्प श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं; 05 राष्ट्रीय पुरस्कार महिला कारीगरों को प्रदान किए जाते हैं और 05 राष्ट्रीय पुरस्कार लुप्तप्राय शिल्पों के संवर्धन, विकास और संरक्षण के लिए प्रदान किए जाते हैं (20 राष्ट्रीय पुरस्कारों और 19 शिल्प श्रेणियों के अलावा), 03 राष्ट्रीय पुरस्कार डिजाइन नवीनता के लिए प्रदान किए जाते हैं।

19 शिल्प श्रेणियों की सूची और पुरस्कारों की निर्धारित संख्या निम्नानुसार है:-

क्रमांक	राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए शिल्प श्रेणियाँ	पुरस्कार
1.	बिदरी कार्य सहित धातु पात्र	1
2.	लकड़ी का कार्य	1
3.	बेंत एवं बांस एवं अन्य वन आधारित उत्पाद	1
4.	पत्थर के पात्र	1
5.	कुंभकारी, सेरेमिक और टेराकोटा	1
6.	चित्रकारी	1
7.	आभूषण और कीमती धातु कार्य	1
8.	पेपर मैशी शिल्प और कागज शिल्प	1
9.	चमड़ा शिल्प	1
10.	हस्त ठप्पा छपाई, टाई एंड डाई, एप्लीक कार्य, रजाइयाँ और पैच वर्क सहित वस्त्र	1
11.	कशीदाकारी और ज़री/जरदोज़ी कार्य	1
12.	लेस कार्य, क्रोशिए की वस्तुएँ और गोटा	1
13.	हस्तनिर्मित कालीन/फर्श बिछावन	1
14.	गलीचे एवं दरियाँ	1
15.	ग्लास वर्क	1
16.	खिलौने और गुड़िया, कठपुतली, खेल और पतंगें	1
17.	हड्डी, शंख एवं शैल	1
18.	वाद्य यंत्र	1
19.	विविध शिल्प	2
	कुल	**20**

चयन प्रक्रिया : चयन प्रक्रिया में तीन विभिन्न चरणों में 3 स्तरीय समिति प्रणाली शामिल है।

स्तर-1: प्रथम स्तर में क्षेत्रीय स्तर चयन समिति के माध्यम से चयन किया जाता है। समिति का गठन निम्न प्रकार से है:

क्र.सं.	समिति सदस्य	भूमिका
1.	निदेशक हस्तशिल्प/ कुटीर उद्योग	अध्यक्ष
2.	क्षेत्रीय निदेशक, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	संयोजक
3.	निफ़्ट से सम्मानित शिल्प विशेषज्ञ	सदस्य
4.	निड (एनआईडी) से सम्मानित शिल्प विशेषज्ञ	सदस्य

स्तर 2: द्वितीय स्तर में मुख्यालय स्तर समिति के माध्यम से चयन किया जाता है। समिति का गठन निम्न प्रकार से है:

क्र.सं.	**समिति सदस्य**	**भूमिका**
1.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)	अध्यक्ष
2.	अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)/निदेशक/वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प) अथवा समकक्ष	संयोजक
3.	निफ्ट के प्रतिनिधि	सदस्य
4.	निड के प्रतिनिधि	सदस्य
5.	वरिष्ठ निदेशक, एनएचएचएम	सदस्य

स्तर 3: तीसरे एवं अंतिम स्तर की चयन समिति केन्द्रीय स्तर चयन समिति है जिसमें निम्नानुसार 12 (6 आधिकारिक एवं 6 गैर आधिकारिक) सदस्य होते हैं:

क्र.सं.	**समिति सदस्य**	**भूमिका**
1.	सचिव (वस्त्र)	अध्यक्ष
2.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)	संयोजक
3.	विकास आयुक्त (हथकरघा)	सदस्य
4.	प्रबंध निदेशक, सी सी आई सी, नई दिल्ली	सदस्य
5.	निफ्ट के प्रतिनिधि	सदस्य
6.	महा निदेशक, निफ्ट, नई दिल्ली	सदस्य
7.	हस्तशिल्प क्षेत्र से छह गैर-आधिकारिक विशेषज्ञ	सदस्य

आधिकारिक सदस्य स्थायी सदस्य होते हैं जो हस्तशिल्प क्षेत्र के विभिन्न पणधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। गैर-आधिकारिक सदस्यों को पदमश्री पुरस्कार विजेताओं, शिल्प गुरु पुरस्कार विजेताओं और हस्तशिल्प क्षेत्र के विशेषज्ञों जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से प्रतिवर्ष माननीय वस्त्र मंत्री द्वारा नामित किया जाता है। चयन की सम्पूर्ण प्रक्रिया का सार निम्नानुसार है:

- प्रमुख राष्ट्रीय समाचारपत्रों में विज्ञापन प्रकाशित करने के द्वारा व्यक्तिगत कारीगरों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं जिसमें नजदीकी फील्ड कार्यालय में समर्थित दस्तावेजों के साथ अपनी पुरस्कार मदें प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाता है।
- फील्ड कार्यालय में प्राप्त सभी प्रविष्टियों को क्षेत्रीय स्तर चयन समिति द्वारा संवीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए क्षेत्रीय कार्यालय भेजा जाता है जहां समिति अंक प्रदान करते हुए प्रविष्टियों का मूल्यांकन करती है और गुणवत्ता के आधार पर प्रविष्टियाँ मुख्यालय स्तर चयन समिति को संस्तुत करती है।
- मुख्यालय स्तर चयन समिति क्षेत्रीय स्तर द्वारा संस्तुत प्रविष्टियों की संवीक्षा एवं मूल्यांकन करती है और गुणवत्ता के आधार पर उन्हें अगले स्तर के लिए संस्तुत करती है।
- केंद्रीय स्तर चयन समिति शीर्ष समिति है जो प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन कर पुरस्कार हेतु उनका चयन करती है। चयन श्रेणी वार गुणवत्ता के साथ-साथ सामान्य उत्कृष्टता पर आधारित होता है।
- चयनित उम्मीदवारों को एक औपचारिक कार्यक्रम में भारत के माननीय राष्ट्रपति/संघ वस्त्र मंत्रालय के शुभ हाथों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।